DATE 20.5.24
PAGE No. 1

टैंडर हार्ट हाई स्कूल, सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा (भाग 1
विषय - हिंदी साहित्य पाठ-4 'आज भी खरे हैं तालाब'

पुस्तक - नवतरंग (भाग-8) (पृष्ठ-28-29)

पाठ-4

'आज भी खरे हैं तालाब' लेखक - अनुपम मिश्र

पाठ परिचय :-

'आज भी खरे हैं तालाब' पाठ में लेखक ने पीढ़ी-दर पीढ़ी चले आ रहे तालाबों के बारे में बताया है। आज भी भारत में हज़ारों गाँवों तथा कस्बों के लिए ये तालाब जीवन के समान हैं। लोग भूमि में गड्ढा खोद देते हैं और उनमें बरसात का पानी इकट्ठा कर अपने दैनिक जीवन में उपयोग में लाते हैं। पशुओं को पीने के लिए पानी इन तालाबों से ही प्राप्त होता था और होता रहेगा लेकिन ये तालाब धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं जोकि एक चिंता का कारण है। इसके बारे में हम सब को सोचना चाहिए। जल को किस प्रकार बचाया जा सकता है इस बात पर विचार करना चाहिए।

पाठ का सारांश :- कुड़न, बुढ़ान, सरमन और कौंराई नाम के चार भाई थे। चारों भाई जल्दी उठकर अपने खेत पर जाते। दोपहर को कुड़न की बेटी पोटली में खाना लेकर आती थी। एक दिन जब वह खाना लेकर खेत की ओर जा रही थी तो रास्ते में उसे एक नुकीले पत्थर से ठोकर लग गई। उसे बहुत गुस्सा आया। उसने अपनी कुल्हाड़ी से पत्थर को उखाड़ने की बहुत कोशिश की। पर लो, उसकी कुल्हाड़ी तो पत्थर पर पड़ते ही लोहे से सोने में बदल गई। वह उस पत्थर को उठाकर भागी-भागी खेत पर आई और उसने यह सारी घटना अपने पिता और चाचाओं को बताई।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य पाठ-4 'आज भी खरे हैं तालाब'

चारों भाई जान चुके थे कि वह कोई साधारण पत्थर नहीं है, बल्कि पारस है जिससे लोहा छूते ही सोना बन जाता है। चारों भाई प्रसन्न हुए। कुछ समय पश्चात कूड़न ने सोचा कि देर-सबेर राजा तक यह बात पहुँच ही जाएगी और तब पारस छिन जाएगा। इससे अच्छा वे खुद ही जाकर राजा को सारी बात बता दें। कूड़न ने राजा के पास जाकर जब सारी बात बताई तो राजा ने न पारस लिया न सोना बल्कि कूड़न से कहा- "जाओ! इस पारस की सहायता से अच्छे से अच्छे काम करते जाना, तालाब बनाते जाना।

बच्चो! अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी साहित्य की अभ्यास- पुस्तिका में लिखेंगे। अतः पाठ को ध्यान से पढ़े व समझें।

प्रश्न 1. दोपहर के समय कौन खाना लेकर खेत पर जाता था?
प्रश्न 2. पारस की क्या विशेषता होती है?
प्रश्न 3. राजा ने पारस वापस करते हुए क्या कहा?

बच्चो! अब आपके अंतराल का समय समाप्त हुआ। अब मैं इन प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ।

उत्तर 1. दोपहर के समय कूड़न की बेटी पोटली में खाना लेकर जाती थी।
उत्तर 2. पारस लोहे की किसी वस्तु को छू जाता है तो वह वस्तु सोने की बन जाती है। यह पारस की विशेषता है।
उत्तर 3. राजा ने कूड़न को पारस वापस करते हुए कहा, "जाओ! इस पारस से अच्छे- अच्छे काम करते जाना, तालाब बनाते जाना।"

अब बच्चो! मैं पाठ को आगे पढ़ती हूँ। सबका

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 20.5.24
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-4 'आज भी खरे हैं तालाब')

ध्यान पढ़ाई की ओर होना चाहिए। लेखक कहता है कि यह कहानी सच्ची है, ऐतिहासिक है — उसे नहीं मालूम! पूरे देश के मध्य भाग में रहने वाले लोगों के मन में रमी हुई है। यहीं के पाटन नामक क्षेत्र में चार बहुत बड़े तालाब आज भी हैं। चारों तालाब इन्हीं चारों भाइयों के नाम पर हैं। बुढ़ागर में बूढ़ा सागर है, मझगवां में सरमन सागर, कुआंग्राम में कौंराई सागर तथा कुंडम गाँव में कुंडम सागर। सन् 1907 में देश में घूम रहे एक अंग्रेज़ ने भी इस इलाके में कई लोगों से यह किस्सा सुना था और फिर इन चार बड़े तालाबों को देखा था। तब भी सरमन सागर इतना बड़ा था कि उसके किनारे पर तीन बड़े-बड़े गाँव बसे थे। यह किस्सा चारों दिशाओं में फैला हुआ मिल सकता है। इस किस्से के साथ सैकड़ों तालाब भी मिलते हैं क्योंकि लोग आते गए, अनगिनत तालाब बनते गए। ये तालाब राजा ने, रानी ने, किसी साधारण गृहस्थ ने, विधवा व असाधारण साधु-संतों द्वारा बनाए गए और तालाब बनाने के कारण ही वे महाराज या महात्मा कहलाए।

बच्चो! अब आप तीन मिनट का अंतराल पुनः लेंगे। अब मैं कुछ प्रश्न आपसे पूछूँगी। आप पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1. चार सागरों के नाम लिखो जो चारों भाइयों के नाम से बनाए गए हैं।
प्रश्न-2. किन-किन लोगों ने तालाबों का निर्माण कराया?
प्रश्न 3. तीन बड़े गाँव किस सागर के किनारे बसे थे?

बच्चो! आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। अब मैं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बताती हूँ।

उत्तर 1. बुढ़ान के नाम से बूढ़ा सागर, सरमन सागर, कौंराई सागर तथा कूड़न के नाम से कुंडम सागर

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DAT 20.5.24
PAGE No 4

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-5 'आज भी खरे हैं तालाब')

बनाए गए हैं।

उत्तर 2. राजा, रानी, साधारण गृहस्थ, विधवा, असाधारण साधु-संत आदि ने इन तालाबों का निर्माण कराया।

उत्तर 3. तीन बड़े गाँव सरमन सागर के किनारे बसे थे।

बच्चो! अब पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं। देश के इस कोने से उस कोने तक तालाब बनते ही चले आए थे। ये तालाब समाज की सेवा करते थे। रीवा जिले का जोड़ौरी गाँव जहाँ आबादी 2500 की है लेकिन तालाब 12 हैं। इसी गाँव के आस-पास 1500 की आबादी वाला गाँव है, जहाँ 10 तालाब हैं। जब ये तालाब बने थे तब यहाँ आबादी कम थी। यानि इस बात पर ज़ोर दिया गया कि जल देवता का तालाब रूपी प्रसाद अपने हिस्से में रख लिया जाए। लेकिन मरुभूमि के सैकड़ों गाँव का नामकरण यहाँ बने तालाबों से जुड़ा है। गाँव के नाम के साथ 'सर' जुड़ा है। 'सर' यानि तालाब। जहाँ 'सर' नहीं वहाँ गाँव नहीं।

कहा जाता है कि बीसवीं सदी के प्रारम्भ तक आषाढ़ के पहले दिन तक (वर्षा के तीन महीने - आषाढ़, सावन, भादों) में कोई 11 से 12 लाख तालाब भर जाते थे और अगले जेठ (मई, जून) तक वरुण (जल) देवता का कुछ न कुछ प्रसाद बाँटते थे अर्थात् इस पानी को सिंचाई तथा पीने के रूप में काम में लिया जाता था। तालाबों की कड़ी को मजबूत बनाए रखने का भार केवल राजाओं पर नहीं बल्कि समाज में आर्थिक रूप से कमज़ोर लोग भी तालाबों की कड़ी को मज़बूत बनाते थे।

पाठ का शेष भाग अगले सप्ताह भेजा जाएगा। सभी विद्यार्थी इस पाठ के पृष्ठ-28, 29 को

(पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-4 'आज भी खरे हैं तालाब')

अच्छी तरह दो-तीन बार पढ़ेंगे एवं समझकर लिखेंगे। अब मैं आपको कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताने जा रही हूँ। तत्पश्चात गृहकार्य दिया जाएगा।

शब्दार्थ :- (क) जोहड़ - वह गड्ढा जिसमें बरसाती जल जमा होता हो, छोटा तालाब। (ख) पोटली - छोटी गठरी, थैली। (ग) नुकीले - नोंकदार, तेज़। (घ) पारस - लोहे को सोना बनाने वाला एक कल्पित पत्थर। (ङ) अनगिनत - बेहिसाब, जो गिने न जा सकें। (च) अंजुलि - दोनों हाथों की हथेलियों को जोड़कर बनाया जाने वाला गड्ढा। (छ) सर - सरोवर या तालाब (ज) वरुण देवता - जल देवता।

गृहकार्य :- पृष्ठ - 28, 29 को बार-बार उच्च स्वर में सभी बच्चे पढ़ेंगे। जो शब्दार्थ व प्रश्नोत्तर कराए गए हैं उन्हें आप अपनी पुस्तिका में लिखेंगे। नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर पाठ में से स्वयं ढूँढकर लिखने का प्रयास करेंगे।

प्रश्न 1. कूड़न किसान ने पारस पत्थर के बारे में राजा को सब कुछ क्यों बता दिया?

प्रश्न 2. वरुण देवता के प्रसाद को पूरा गाँव अपनी अंजुलि में कैसे भर लेता था?

——————

शेष भाग अगले हफ्ते - - -

(पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner